>

Title: Need to construct new bridges in place of old Ganga Bridge and Rajendra bridge in Patna.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी) : माननीय सभापति, बिहार के मिथलांचल में एनएच 104 और 105 दोनों सड़कों की हालत जर्जर है। इसके अलावा 101, 102, 103, 104, 105, 106 और 107 सड़कें भी हैं, इनका नाम मैंने इसलिए लिया क्योंकि जिस समय मैं माननीय अटल जी की सरकार में मंत्री था उस समय इन सड़कों को अनुमति दी गई थी। सड़क 104 और 105 की हालत बहुत खराब है। यह नहीं पता चलता कि गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्ढा है, कब गाड़ी उलट जाए पता ही नहीं चलता। इस तरह कितनी दुर्घटनाएं हो जाती हैं। ठेकेदार ने काम लिया हुआ है लेकिन तीन साल से काम नहीं कर रहा है। उस ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही की जाए, उसका नाम काली सूची में दर्ज किया जाए, उसकी सिक्योरिटी जब्त की जाए। मेरी मांग है कि प्रिवेंशन आफ डेमेज टू पब्लिक प्रापर्टी एक्ट के तहत उस ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही की जाए। इसी से जुड़ा एक और विषय है कि उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला पटना में गांधी सेतु और सिमरिया में राजेंद्र सेतु दो पुल बने हैं, इनकी हालत जर्जर है। दोनों पर भारी वाहनों का चलना मना कर दिया गया है। दक्षिण बिहार से बालू, सड़क या मकान बनाने के मैटीरियल लोहा, सीमेंट आदि जाते हैं। बड़े ट्रकों का जाना मना कर दिया गया है इसलिए उत्तर बिहार में निर्माण कार्यों के लिए हाहाकार मचा हुआ है क्योंकि सड़क और मकान नहीं बन पा रहे हैं। हम 2001 से आवाज उठाते रहे लेकिन वैकल्पिक पुल नहीं बनाया गया। मेरी मांग है कि गंगा पर दूसरा पुल बनाया जाए, राजेंद्र पुल के बगल में पुल बनाया जाए। उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच जो व्यवधान आया है उसे शीघ्र समाप्त किया जाए।